

1002. ἀκόρεστον (πως, δὴ, ἄγαν, aut ἔφν) conj. Butler. Mendosum videtur ἀκόρεστον, pro quo requiritur epithetum instabile aut incertum significans. Fort. ἀβεβαιοῦν. Cf. Alex. 281, 2. ἀβεβαιοτάτων ὧν κεκτήμεθα (πλοῦτος). Men. 128, 1. περὶ χρημάτων, ἀβεβαιοῦν πράγματος. 94, 4. ἀβεβαιοῦς τρυφῆ. Locus fortasse sic refingendus est, μάλα γέ τοι τὸ τᾶς πλέας ὑγίειας —.

1006. ἐπαισέν ἄφαντον ἔρμα] Qu. ἐπαισ' ἐς ἄφαντον ἔρμα. Cf. Eur. Bacch.

703. ἐπαισεν εἰς πέτρην. Soph. Ant. 855. ὑψηλὸν εἰς Δίκας βάρθρον προσέπεσες.

1007. τὸ μὲν πρό — Haupt.

1008. Cf. 1575. κτεάνων δὲ μέρος | βαιὸν ἐχούση. Thuc. IV. 31. μέρος δέ τι οὐ πολὺ — ἐφύλασσε etc.

1010. δόμος] γόμος Blom. Recte, ni fallor. Ita ἐπόντισε servari poterit.

1020. Cf. Sept. 736. ἐπειδὴν — χθονία κόνις πῆ μελαμπαγὲς αἷμα. Ch. 64. δι' αἵματ' ἐκποθένθ' ὑπὸ χθονὸς τροφοῦ τίτας φόνος πέπηγεν οὐ διαρροῦσαν. Eum. 980. πιούσα κόνις μέλαν αἷμα πολιτῶν. 647. ἀνδρὸς δ' ἐπειδὴν αἷμ' ἀνασπίσῃ κόνις. Προπάρουθεν (ante, cum gen.) legitur Sept. 334.

1026. Corruptum videtur aut μοῖρα aut μοῖραν (pro quo corrigendum forsitan μοῖρά μ'). Cf. Pers. 101. θεόθεν γὰρ κατὰ Μοῖρ' ἐκράτησεν.

1030. Adde Sept. 366. ὑπ' ἀσπίδος.

1045. Leg. ἀπαράσταθμοι quod facile in καὶ παρὰ στάθμην mutari potuit. Sic ἀπαράμυθος Pr. 185. ἀπαράσζενος Thuc. II. 87. Cf. Soph. Fr. 433, 5. ὥστε τέκτονος | παρὰ στάθμην ἰόντος ὀρθοῦται κανών. Adesp. 287. ἀκριβὲς οὐλίσιμα πρὸς στάθμην βίου. Theogn. 945. εἶμι παρὰ στάθμην ὀρθὴν ὁδόν. Theocr. 25, 194. κατὰ (παρὰ?) στάθμην ἐνόησας. Pind. Fr. 4, 4. ὑπὸ στάθμῃ νέμονται οὐ θέμιν — ὑπερβαίνοντες. Fortasse tamen παρὰ στάθμην significare potest etiam praeter amussim, ut παρὰ τὸ εἰζὸς in Lys. p. 156, 51. τῶν νεωστὶ παρὰ τὸ εἰζὸς ἐν δόξῃ γεγεννημένων. Sed etiam sic nonnulla excidisse statuendum foret.

1048. ἐκτὸς Herm. Weil., coll. 1053.

1052. Cf. Arist. Th. 1171. τὸν βάρβαρον δὲ τοῦτον αὐτὸς πείθε σύ.

1055. θυραία] Fort. θύρασι. Cf. Soph. Oed. C. 401. Eur. El. 1074.

1056. Cf. Soph. Oed. R. 1171. ἢ δ' ἔσω | κάλλιστ' ἂν εἶποι σὴ γυνὴ τίδ' ὡς ἔχει. Aj. 780. Phil. 371.

1057. ἤδη mss. ἡμῖν B. H. Kenn.

Non sollicitandum erat πρὸς σφαγᾶς. V. comm. Cf. Eur. Ion. 377. προβωμίαις σφαγαῖσι μῆλων.

1060. Fort. δεχθῆ (pro δέξηται?) λόγον. Cf. Eur. Her. 757. ὑποδεχθεῖς. Thuc. IV. 85. μεμψθῆ (pro μέμψηται). Haec bene sequerentur post ista ἔσω φρενῶν λέγων σὺ πείθε νιν λόγῳ. Vel εἰ δ' ἀξυνήμων οὔσα μὴ κλύει λόγον, vel ἦν — μὴ δεχθῆ λόγον.

1061. σύ δ' —] Cf. Eum. 858. σὺ δ' ἐν τόποισι τοῖς ἑμοῖσι μὴ βάλῃς etc. (ubi item eadem persona compellatur). 137. Herod. I. 155. 3. ὦ βασιλεῦ, τὰ μὲν οὐκ ὀκτώτα εἶρηκας, σὺ μέντοι μὴ πάντα θυμῷ χρέο. Cf. ad Soph. El. 448. Fort. τοῦτ'. Facilis autem corruptela fuit καρβάνωι pro καρβάνωις.

1064. κλύει] βρῦει conj. Haupt.